02/01/2012; Issue 008; ` 2.

पं ग वा ड़ी मा सि क प त्रि का

तुबारि

जरुत - नौकरी - जरुत
नौकरी जे यक लिखो पढ़ो मेहणु लौता जे सोच कइ कुछ लिख सकता
✌ खरी तनखा मेति ✌
सुआ जानकारी जे 9418721336

तुबारि संपादकीय टीम

♦अस इ उम्मिद करुं लगो से कि एण बाड़े दिन अन्तर सुआ मेहणु इस कम अन्तर सहयोग कते।

♦इस तुबारि मासिक पत्रिका समाचार पत्र एक्ट अन्तर रिजिष्ट्रि नेई भो। सिर्फ पांगि घाटि अन्तर पढ़ूं जे इ पत्रिका शुरु किओ सि।

♦तुबारि यक अवाणिज्यिक पत्रिका भो।

♦तुबारि पत्रिका कोइ मेहणु, जनजाति, त संस्कृति गल्ति कढ़ेण जे नेई छपाण लगो। अगर कोइ ईं सोचता बि त अस जिम्मेबार नेई।

♦छपाणे पेह्ले सोभ आर्टिकल दुई टाई पांगेई मेहणु हरालो असे। इ त खुलि बोक असि कि पेह्लि बार पांगवाड़ि लिखणे सुआ मुशकिल भुन्ति त गलति बि भुन्ति। अगर कोइ लिखणे गलति असि त असि जे जरूर बोले। त अस तसे होरे संस्करण पुठ ठीक करणे कोशिश कते।

♦आर्टिकल्स ना मिएल, या घाटि मेहणु के मदद ना मिएल त तुबारि पत्रिका कदि बि बंद भुई सकति।

♦कोइ चिज छपां सि या नेई छपां जे तुबारि संपादकीय टीमे पुरा अधिकार असा।

♦अस सोभि पांगि मेहणु जे हात जोड़ कई निवेदन कते कि, तुस बि कोइ अछा अर्टिक्ल, पुराणि या नौइं कथा, कहावत, कविता, त नौवे घीत (पागवाड़ी अन्तर) लिख कइ छपां जे हेंन्नदे दिए।

♦अस किलाड़ केन्द्रीय पुस्तकालय, त बजार राखे ठेके भैड़ हरिरामे दुकान अन्तर तुबारि ड्रॉप बॉक्स पुठ बि अपुं सझाव ओर अर्टिक्लस रखुं जे सुविधा किओ असि।

9418431531
9418429574
9418329200
9418411199
9418411599

तुबारि संपादकीय टीमे कनारा सोबि तुबारि पढ़ं बाड़ि जे नौंआ साले–2012 बधे!

लिखित पंगवाड़ी भाषा : यक शुरुवात त तसे इतिहास

जुलाई 2006 अन्तर बिनय त धनुंजय भाषाविद्द *Linguist* पेहलि बार पांगी घाटि ए। अस तपल भाषाविद्द हिसाब जुए ओ थिए। हें लक्ष्य इ थिया कि अस पंगवाड़ी लिख कइ भाषा सुह्लियत करुं जे लोकल मेहणु के मदद कते। मेह्णु जपल पुछतेथ कि अस कोउं भिन्थ त अस कि कम कते, त हें जवाब थिया कि अस भाषाविद्द भिन्थ त असी जे भाषा लुखो नेई तेस भाषा लिख कइ सुह्लियत करुं जे मदद कते। जपल असी बोलु कि अस 'रिसर्च' कते त सुआ मेह्णु इ समझे कि अस Ph.D करुं लगो असे। त से होरे मेह्णु जे बि ती बोलुं लगे। ती भोई कइ सुआ मेह्णु असी Ph.D बोलि पेह्छाण लग गे। जपल अस तुबारि – पंगवाड़ी मासिक पत्रिका छपाण लगे त सुआ मेह्णु एसे सुसुर मतलब ना समझ बटे। अस इ हरालुं चाह्तेथ कि पंगवाड़ी भाषा अन्तर बि किताब, पत्रिका त होरे छपाणे चिज बण सकती।

असी पंगेईं एई कइ पंज साल भोई गो असे। इस बुछ असी पंगवाड़ी भाषाएं वर्णमाला त व्याकरण पुठ, त पंगवाड़ी कथा पुठ लेख लिखो असे। किस कि से सोब अंग्रेजी अन्तर (*phonetics*) लिखो असे। तस सुआ मेह्णु न समझ सकते, त इस फुलियाठ बुछ, अस पंगवाड़ी वर्णमाला त व्याकरणे पुठ हिन्दी अन्तर किताब बणो असी। ए किताब सिर्फ चेक करुं जे त अगले साल सुसुर छपाण जे ब्योरा किओ असे। इ सोब कम सिर्फ पंगवाड़ी भाषा सुह्लियत करुं जे असे ना कि Ph.D जे लगो असे। हां, इ जरुर असु कि अस अपु लेख जपल कोई **विश्व** विद्यालय पुठ दी कई दुई साल पढ़ते त तपल Ph.D डीग्री मी सकती। पर अभेईं तकर अस कोई **विश्व** विद्यालय पुठ Ph.D एड्मिशन निओरी नेई। पर असी भाषा-विज्ञान (Linguistics) पढ़ो असा त यक भाषा विकास त साक्षरता प्रोजेक्टे (Language development and literacy project) नाउं, NGO जुए मी कइ कम कते जे कि भाषा सुह्लियत अन्तर कम कते। अब जीं हें कम बढ़ुं लगो असु त अस बि तत टेम देण नेइ लगो। हें NGO बि असी होरे-होरे कम देन्ति। त अब इ जरुरी भुण लगो असु कि इठियाणि मेह्णु इ अपु भाषा सुह्लियत कइ सकते।

कउं जीतता

यक दॉदु दुई कुतर पड़ो भुन्ता। त यक रोज तसे पोउतुर हेरता की दुहिए कुतर एकेकि दन्तियाण लगो भुन्ते। त से तेन्हि लेउडे बइ दौड़ान्ता। पर तसे मन अन्तर यक सवाल एन्ता। से अपु दॉदु केआं घेन्ता त बोता, "दॉदुआ, मोउ कुछ पुछुण असु"। से बोता "पुछ"! त पोउतुर बोता, "अगिर, हें दुहिए कुतर दन्तियाण लगो थिए। अउं ई सोचुण लगो थिआ कि अगर ए दुहिए झगड़िन्ते त कोउं जीतता"?

दॉदु अपु पोउतुर हेरता। धिक सोच कइ बोता कि "जेस कुतर अउं सुसुर खिलान्ता, से कुतर जीतता"। पोतुर बोता "हां, जेस सुसुर खांजे मेतु से जरुर मस्तिता त जीतता बि"। पता दॉदु बोता, "पोउतुर, हें मन अन्तर बि दुई कुतर भुन्ते। यक खरा त होरा खोटा (गन्दा)। जे खरा सा से हमेशा अब्बुल सोचता, त खरा खरा कम कता। ओर जे खोटा (गन्दा) भुन्ता से हर टेम कुस्तुरु सोचता त कम बि कुस्तरु कता। अगर, तु अपु मन अन्तर जे खरा कुतर असा तेस सुसुर खिलान्ता त से जीतता। ओर, तु खरा मेह्णु बणता। अगर, तु अपु मन अन्तर जे गन्दा कुतर असा तेस खिलान्ता रेहन्ता त से जीतता। तु हउ, बुरा मेह्णु बणता।

मुहावरे त कहावत

- मगिरि हतोउ लई बिशुं – परेशानी में होना।
- गुदिर गा – मरना (नीचे मनभाव से बोलना)
- पेटे भारि भुण – गर्भधारण करना। (में जुएलि पेटे भारि असि।)
- मुंह बाड़ देण – मजे को खराब करना।
- अपु से अन्हारे बि केण – अपने लोगो को दुर से भी पहचानना।
- चौड़ा भुंण – गुस्से में आना। (तु त तपल बड़ा चौड़ा भोई गा।)
- जीं उधार भारो सु – नाप -तोल कर देना। (कोई चीज पूरी भर के देना)
- हातउ टुठ घेंण – आदत हो जाना (टाईप करुं जे तें हातउ टुठ गोसे)
- ढिएड़ी केउ भूण – अनजान होना (मुंह बइ खान्तु त पुंछिड़ बइ ना कतु।)
- शीते बुढ़ी टान्क – बार बार आराम करना।
- हतोउ आले लगुं – चिन्तित होना। फिक्र होना। (तें हतोउ आले किस लगो से?)
- बथ न केंण – जलदी से चलना।

कुछ खास खबर

- लाहौल घाटी अन्तर घेपन राजा बाहर निसो असा। 6 जनवरी 2012 वापस मन्दिर घेई घेण असा।
- एऊंश पूरे पांगेई स्कूले पेपर दिसम्बरे बदले फरवरी-मार्च अन्तर भूण लगो असे।
- भारत साक्षर मिशन-2012 तहत सोभी पंचायती अंतर पढाई जोर-शोर पठ भुण लगो असी।
- पांगेई सोभी पंचायती के खास ग्रां सभा बैठक 1-1-2012 भुई गई।

यक जिल्हाणु डाक्टर जे बजन घटाणे दवाई मांगति त .....

By Shamma Singh

ADVERTISEMENT/ BEST WISHES FOR MARRIAGES, BIRTHDAYS, RETIREMENTS Etc. Please 9418429574

पंगवाड़ी लेखक प्रतियोगिता

तुबारि संपादकीय टीम, लेखक प्रतियोगिता करणे किओ असि। त कोइ बि मेहणु सिर्फ पंगवाड़ी (किलाड़े बोली या साचे बोली) अन्तर कथा * त लेख लिख कइ 2012 फरबरी 29 तकर किलाड़ राजकीय पुस्तकालय (महातम जे) या किलाड़ बजार अंग्रेजी ठेके भैड़ हरी रामे दुकान पुठ दी सकते । लेख अन्तर अपु नांउ, ग्रांए नांउ त फोन नंबर लिखुं बिसरीं। हें निर्णायक कमेटी सोबि केआं बढ़िआ लेख चुणते। से लेख लिखु बाड़ि जे तुबारि संपादकीय टीमे कनारा 500 रुपेइ ईनाम मेति त तसे फोटो त लेख तुबारि पुठ बि छपति।

पेहला ईनाम 500 `

* मिन्धल माता, टटण माता, शीतला माता त नाग देवता कथा छड़ दी कइ कोइ बि कथा लिख सकते।